धर्म | 23 जुलाई तक चलेंगे नौ दिवसीय अनुष्ठान, त्रिपुर सुंदरी, बड़ी खेरमाई और बगलामुखी मंदिर में हुई घटस्थापना, सुबह से उमड़ी भक्तों की भीड़

गुप्त नवरात्रि प्रारंभ, देवी मंदिरों में गूंजे जयकारे

▶ श्रद्धा और साधना का महापर्व शुरू

नवभारत, जबलपुर। आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि बुधवार 15 जुलाई से शुरू हो गई। इसके साथ ही शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धा और आस्था का माहौल देखने को मिला। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही त्रिपुर सुंदरी मंदिर, बड़ी खेरमाई, बगलामुखी देवी मंदिर सहित अन्य शक्ति पीठों में विधि-विधान के साथ घटस्थापना की गई और विशेष पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हुआ। माता के जयकारों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिरों में नौ दिनों तक विशेष धार्मिक अनुष्ठान, पाठ, हवन और आरती का आयोजन किया जाएगा।

वर्ष में चार बार आती है नवरात्रि

हिंदू धर्म में नवरात्रि को मां शक्ति की आराधना का सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। वर्षभर में कुल चार नवरात्रि आती हैं, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि सार्वजनिक रूप से पूरे देश में उत्साह के साथ मनाई जाती हैं। वहीं माघ और आषाढ़ मास में आने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इस दौरान साधना, तप और आत्मिक शक्ति की प्राप्ति के लिए विशेष पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई उपासना विशेष फलदायी होती है।

होगी विशेष साधना

पंचांग के अनुसार इस वर्ष आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई से शुरू होकर 23 जुलाई तक चलेगी। तांत्रिक ग्रंथों जैसे मेरु तंत्र और डामर तंत्र में इन नौ दिनों को विशेष साधना के लिए श्रेष्ठ बताया गया है। इन्हें साधना की रात्रियां भी कहा जाता है, क्योंकि इस दौरान बाहरी आडंबर की अपेक्षा एकांत और गोपनीय साधना को अधिक महत्व दिया जाता है। तांत्रिक साधकों के साथ-साथ सामान्य गृहस्थ भी नियमों का पालन कर मां शक्ति की आराधना करते हैं।

दस महाविद्याओं की होती है आराधना

जहां सामान्य नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, वहीं गुप्त नवरात्रि में मां की दस महाविद्याओं की आराधना का विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इनकी उपासना से साधक को आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शक्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यही कारण है कि इन नौ दिनों में विशेष मंत्र जाप, हवन और साधना की जाती है।

मंदिरों में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गुप्त नवरात्रि के प्रथम दिन शहर के त्रिपुर सुंदरी मंदिर, बड़ी खेरमाई मंदिर, बगलामुखी देवी मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। कई श्रद्धालुओं ने नौ दिनों का व्रत भी आरंभ किया। मंदिर परिसरों में भक्ति गीत, दुर्गा सप्तशती पाठ और मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मंदिरों में की गई आवश्यक व्यवस्थाएं

मंदिरों के पुजारियों के अनुसार गुप्त नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन विशेष पूजा, दुर्गा सप्तशती पाठ, हवन, आरती और अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिरों में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। अनुमान है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी तथा नौ दिनों तक देवी मंदिरों में आस्था का यही माहौल बना रहेगा।

इनका कहना है

गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधना का विशेष महत्व है। सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर में नौ दिनों तक विशेष पूजा आयोजित किए जाएंगे।

प्रवीण तिवारी ,पुजारी

हर वर्ष गुप्त नवरात्रि में मां शक्ति की पूजा और व्रत रखते हैं। इस दौरान मंदिर में दर्शन कर मन को शांति मिलती है और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

आशा रायकवार

लायंस क्लब की नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

नवभारत, जबलपुर। लायंस क्लब जबलपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होटल ट्रायो मैक्स के गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजीव अग्रवाल, शपथ अधिकारी नरेंद्र जैन, विशिष्ट अतिथि रीजन चेयरपर्सन नीलम खरे और जोन चेयरपर्सन मनीषा सोनी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ शील महदेल द्वारा ध्वज वंदना, मनीषा सोनी के स्वागत भाषण और दीपक पोपट के सचिव प्रतिवेदन से हुआ। इस दौरान सभी लायंस क्लब पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन उमेश जैन ने और आभार प्रदर्शन ज्ञान गोलछा ने किया, जिसके बाद रात्रि भोज के साथ समारोह का समापन हुआ।

विभागीय प्रभारियों का दायित्व ग्रहण और स्वागत-इसके अलावा क्लब की विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं को संभालने के लिए दयाराम पटेल ने एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर, दीपक पोपट ने मेंबरशिप चेयरपर्सन, जवाहर पटेल ने सर्विस चेयरपर्सन और उमेश जैन ने मार्केटिंग चेयरपर्सन के रूप में अपने-अपने पदों की शपथ ग्रहण की। इस प्रक्रिया के तुरंत बाद नई पीएसटी (अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष) का विशेष रूप से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें लायंस क्लब की आधिकारिक पिन पहनाई गई और क्लब के सुचारू संचालन के प्रतीक स्वरूप अध्यक्ष को गाउन व गेबल (हथौड़ा) सौंपकर पूरे सम्मान के साथ मंच पर आसीन किया गया।

वरिष्ठ सदस्य अरुण जे देशमुख का विशेष सम्मान-समारोह के दौरान क्लब की सदस्यता के 60 वर्ष पूर्ण करने पर वरिष्ठ सदस्य अरुण जे देशमुख को लायंस इंटरनेशनल पिन प्रदान कर शॉल, श्रीफल, माला और मोमेंटो से सम्मानित किया गया। वहीं पूर्व ज़ोन चेयरपर्सन अंकिता जैन को मल्टीपल सर्टिफिकेट और एक्सीलेंस मेडल से नवाजा गया, जिनका सभी साथियों ने खड़े होकर तालियों से अभिनंदन किया। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में संचालकगण एमजेएफ हरीलाल पटेल, जवाहर पटेल, अंकिता जैन, रीता गुप्ता, मंजू पटेल, मंजुला पटेल और ज्योत्स्ना तिवारी उपस्थित रहीं।

नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने ली शपथ

समारोह में अध्यक्ष अनुरोध तिवारी, उपाध्यक्ष मनोज जैन, भूमिका पटेल व मीता पटेल, सचिव राजेंद्र सोनी, सह सचिव रेखा पटेल, कोषाध्यक्ष ज्ञान गोलछा, टेमर राजेश मराड़िया और टेल ट्विस्टर नरेश श्रीवास्तव ने पूर्ण निष्ठा से अपने पद की शपथ ली। इनके साथ ही क्लब को सही मार्गदर्शन देने के लिए संरक्षक के रूप में राजीव अग्रवाल, अरुण जे देशमुख व मंगलचंद टाटिया ने अपनी जिम्मेदारी संभाली। इसके अतिरिक्त क्लब की प्रशासनिक गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सलाहकार के रूप में एम के सोनी, आनंद जैन, महेश चौरड़िया व मुकेश अग्रवाल ने भी अपने दायित्वों की शपथ ग्रहण की। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने क्लब के नियमों के अंतर्गत अपनी सेवाएं देने का संकल्प लिया।

एक नजर में

डिजिटल मंचों से निखरेगा मध्य प्रदेश का ग्रामीण पर्यटन

नवभारत, जबलपुर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, जबलपुर द्वारा मप्र टूरिज्म बोर्ड, भोपाल के सहयोग से मध्य प्रदेश के विभिन्न होम स्टे संचालकों के लिए आज 16 और 17 जुलाई को रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन मिशन के अंतर्गत 'डिजिटल एंड सोशल मीडिया फॉर टूरिज्म विलेजेस' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य डिजिटल और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना है। संस्थान में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दी गई हैं और यह विश्वास जताया गया है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागी कुशलतापूर्वक पर्यटन क्षेत्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

प्रतिमा स्थल पर मनेगी पूर्व महापौर विश्वनाथ दुबे की जयंती

नवभारत, जबलपुर। शहर के पूर्व महापौर

दिवंगत विश्वनाथ दुबे की 87वीं जयंती कल 17 जुलाई को सुबह 10 बजे नगर निगम के सामने नेहरू उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर मनाई जाएगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस जयंती समारोह में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और सभी शहर वासियों से उपस्थित होने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व महापौर विश्वनाथ दुबे ने हमेशा जबलपुर शहर के हित की बात की, मानदेय के रूप में नगर निगम से कभी एक भी पैसा नहीं लिया और जबलपुर की ऐतिहासिक मॉडल रोड का निर्माण कराकर पूरे देश में शहर का नाम रोशन किया। इस जयंती समारोह में शामिल होने की अपील वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, दीपक सिंह राजपूत, उमेन्द्र सिंह, सरोज कांडा, ऊषा महाजन, बी. के. तिवारी, उमाकांत चौकसे, कृष्णा गुप्ता, दलवीर सिंह जस्सल, संजय वर्मा, मधु मसीह, कुमुद मुराव और सुरेश हिरस्कर आदि ने की है।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा में 11 रथों की महाआरती आज

▶ विधि-विधान से होगा पूजन

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी में सैकड़ों वर्षों के इतिहास वाली भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथ यात्रा के दौरान आज शाम 4 बजे बड़े फुहारा पर संतों के सानिध्य में पंचधातु से निर्मित स्वर्णमयी झाड़ू से रथों के सामने का रास्ता बुहारा जाएगा और 11 रथों की एक साथ भव्य महाआरती व विधि-विधान से पूजन होगा। रथ यात्रा स्वागत समिति के अध्यक्ष एवं नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1984 से बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान के सामने जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक, साहू समाज, जगदीश मंदिर

हनुमानताल, बंगाली समाज, चौरसिया समाज और विट्ठल रघुराई मंदिर आईटीआई के सभी रथों का पारंपरिक स्वागत किया जाता है।

उन्होंने ऐतिहासिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि 29 जून 2014 को पहली बार सोना, चांदी, पीतल, तांबा और कांसा जैसी पंचधातुओं से निर्मित स्वर्णमयी झाड़ू से रास्ता बुहारने की शुरुआत की गई थी, जिसका वजन उस समय 1 किलो 650 ग्राम था जो समय के साथ अब 1 किलो 630 ग्राम बचा है। यह ऐतिहासिक महाआरती और पूजन अनुष्ठान जगद्गुरु स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज, दंडी स्वामी प्यारेनंद महाराज, ज्ञानेश्वरी दीदी, जगद्गुरु राजारामचार्य महाराज, स्वामी पागलनंद महाराज, स्वामी रामजीशरण महाराज, चंद्रशेखरानंद महाराज, ज्योतिषाचार्य रोहित महाराज और योगी राजेश महाराज की पावन उपस्थिति में पूर्ण गरिमा के साथ संपन्न होगा।

वूमेंस क्लब की कार्यशाला में दिखी दक्षिण भारतीय पूजा परंपरा

नवभारत, जबलपुर। ईरा नंदनी कायस्थ वूमेंस क्लब ने दक्षिण भारतीय परंपराओं और पूजा विधि पर आधारित एक नई कार्यशाला का आयोजन किया, जिसकी शुरुआत 'वणक्कम' (स्वागतम्) के साथ हुई। इस कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं को दक्षिण भारतीय स्वागत, परंपरागत पूजा, देवी उपासना की विधि और संस्कृत श्लोकों के स्पष्ट उच्चारण के विषय में विशेष नई जानकारियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर क्लब की उपाध्यक्ष अंशुल वर्मा और महासचिव सिमरन सक्सेना ने सामाजिक उत्थान के लिए नए परिवेश एवं नए संस्कारों का जीवन में महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन सिमरन सक्सेना और निधि खरे ने किया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन निधि खरे द्वारा किया गया।

पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और डांस प्रस्तुतियां

कार्यशाला के दौरान सभी सदस्यों ने मिलकर साउथ इंडियन गानों पर डांस किया और विभिन्न गेम्स भी खेले। गेम्स और परिधान प्रतियोगिता का जजमेंट मनीषा श्रीवास्तव ने किया। बेस्ट और परफेक्ट साउथ इंडियन परिधान प्रतियोगिता में मनीषा खरे प्रथम, आयुषी सक्सेना द्वितीय और डॉ. नम्रता चंद्रा तृतीय स्थान पर रहीं। इसके साथ ही अंशुल वर्मा, शशि श्रीवास्तव, नम्रता वर्मा, राजश्री खरे और डॉ. रुचि खरे को सांत्वना पुरस्कार दिए गए और गेम्स के विजेताओं को भी प्राइज प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्था की नम्रता श्रीवास्तव, निधि श्रीवास्तव, निरुपमा वर्मा, नमिता श्रीवास्तव, मीना श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, नीरू वर्मा, पद्मा खरे और ममता श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ब्रेल प्रिंटर की सुविधा देने वाला पहला कॉलेज बना महाकोशल

नवभारत, जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज, जबलपुर प्रदेश का पहला ऐसा महाविद्यालय बन गया है, जहाँ दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए ब्रेल प्रिंटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विश्व कौशल दिवस के अवसर पर कॉलेज में दिव्यांग विद्यार्थियों को डिजिटल और आधुनिक कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग दी जा रही है। इस प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता तथा ब्रेल प्रिंटर के उपयोग की जानकारी दी गई। प्रभारी दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगारपरक कौशल से सशक्त करना है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को बेसिक कंप्यूटर से लेकर एडवांस जानकारी, कम्यूनिकेशन इंग्लिश, सॉफ्ट स्किल, डिफरेंट जॉब ट्रेनिंग, व्यक्तित्व विकास, एम्प्लॉयबिलिटी और रिज्यूम तैयार करना आदि का प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया जा रहा है।

दिव्यांग विद्यार्थियों को मिल रही नि:शुल्क शिक्षा

शासकीय महाकोशल कॉलेज प्रदेश का पहला महाविद्यालय है जहाँ ब्रेल प्रिंटर की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए ब्रेल प्रिंटर द्वारा पाठ्य सामग्री तैयार की जा रही है, जो विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। यह उल्लेखनीय है कि यह प्रदेश का एकमात्र महाविद्यालय है जहाँ दिव्यांग (नेत्रहीन) विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है, इसलिए यहाँ दिव्यांग विद्यार्थियों की संख्या 100 से अधिक है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. संघप्रिया तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, प्रशिक्षक राजीब गिरी, खेमचरन गुरुम के साथ दिव्यांग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एपीएन स्कूल के रियूनियन में पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

नवभारत, जबलपुर। सदर स्थित कॉफी हाउस में एपीएन स्कूल रियूनियन 1965-1966 बैच के पूर्व छात्र मिलन समारोह में उपस्थित पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए पुरानी और वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर गहन विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा समाज की सबसे शक्तिशाली ताकत है, जो आत्मविश्वास देती है और भविष्य का दर्पण बनकर दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षक रूपलाल यादव, एम. डी. मिश्रा, सुरेश पटेल, डॉ. राजेश शर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, ज्ञानचंद गोलछा, अरुण शुक्ला, अरविंद पटेल, गोपाल शर्मा, मंजीत सिंह, प्रकाश जांगड़े, सूरजभान मुराव और एडवोकेट कंदीलाल जाटव सहित अनेक पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

संबल | बगैर दवा, नि:शुल्क और पूरी गुमनामियत... समान अनुभवों की साझेदारी से लाखों लोगों को मिला संयमित जीवन का सहारा

एक शराबी ही बना दूसरे की ताकत, टूटते परिवारों को नई राह दिखा रहा एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस

सुरभि तिवारी

नवभारत, जबलपुर। दरवाजे के बाहर पसरी खामोशी... भीतर सिसकती उम्मीदें... रसोई में बैठी मां की आंखों में चिंता और कमरे के एक कोने में शराब की गिरफ्त में जकड़ा एक व्यक्ति। यह दृश्य किसी एक घर की कहानी नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों की हकीकत है, जहां शराब की लत धीरे-धीरे रिश्तों, विश्वास और खुशियों को निगलने लगती है। लेकिन इसी अंधेरे के बीच एक ऐसी उम्मीद भी है, जिसने दुनिया भर में लाखों परिवारों को फिर से जीने का हौसला दिया है। यह उम्मीद है एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस (एए)।

'एक शराबी ही दूसरे शराबी की शराब छुड़ा सकता है।' सुनने में यह बात भले ही चौंकाने वाली लगे, लेकिन यह सच्चाई है दुनिया के सबसे बड़े स्व-सहायता कार्यक्रम की जहां शराब की लत से उबर चुके लोग अपने अनुभवों के आधार पर उसी संघर्ष से गुजर रहे दूसरे लोगों का हाथ थामते हैं। अनुभवों की यह साझेदारी केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को भी नई शुरुआत का

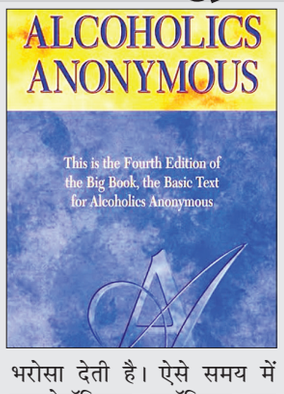

भरोसा देती है। ऐसे समय में एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस उन लोगों के लिए एक सुरक्षित संगठन बनता है, जो अपनी समस्या स्वीकार कर संयमित जीवन की ओर लौटना चाहते हैं।

जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग

आत्मशांति प्रार्थना ,बारह कदम और बारह परंपराओं एवं अवधारणाओ पर आधारित यह कार्यक्रम पूर्णतया आध्यात्मिक विकास और संयमित जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

संघर्ष से संबल तक की यात्रा

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत इसका अनुभव आधारित स्वरूप है। यहां कोई उपदेश नहीं देता, बल्कि वे लोग अपने अनुभव साझा करते हैं जिन्होंने स्वयं शराब की लत से संघर्ष किया और उससे बाहर निकलने का रास्ता खोजा। नियमित बैठकों, आत्मस्वीकृति और आपसी सहयोग के माध्यम से लोग धीरे-धीरे संयमित जीवन की दिशा में आगे बढ़ते हैं।

जब बदलता है एक व्यक्ति, बदल जाता है पूरा परिवार

कार्यक्रम से जुड़े अनुभवी सदस्यों का कहना है की शराब छोड़ने का सबसे बड़ा लाभ केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को मिलता है। वर्षों से तनाव और असुरक्षा के माहौल में जी रहे परिवारों में फिर से विश्वास लौटता है। रिश्ते मजबूत होते हैं, आर्थिक स्थिति सुधरती है और बच्चों को बेहतर वातावरण मिलता है। यही कारण है कि एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस केवल नशामुक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि टूटते परिवारों को फिर से जोड़ने का माध्यम बन चुका है।

गुमनामियत ही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत

जबलपुर में भी सक्रिय हैं दो समूह

जबलपुर में एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस के दो सक्रिय समूह संचालित हैं। नियमित बैठकें सोमवार, बुधवार और रविवार को आयोजित होती हैं। यहां आने वाले लोगों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और नए सदस्यों का स्वागत बिना किसी भेदभाव के किया जाता है।

सिर्फ शराब पीने वालों के लिए नहीं, परिजनों के लिए भी सहारा

शराब की लत का असर पूरे परिवार पर पड़ता है। इसी कारण परिजनों के लिए अल-अनोन नाम से अलग समूह संचालित होते हैं। यहां उन्हें मानसिक संबल, धैर्य और परिस्थितियों का सकारात्मक ढंग से सामना करने की समझ दी जाती है। उद्देश्य केवल शराब से जूझ रहे व्यक्ति की मदद करना नहीं, बल्कि पूरे परिवार को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना है।

एक नजर में

स्थापना : 1935 (अमेरिका)
स्वरूप : विश्वस्तरीय स्व-सहायता कार्यक्रम
सदस्यता शुल्क : नहीं
गुमनामियत : पूरी तरह सुरक्षित
दवा : अनिवार्य नहीं
जबलपुर : दो सक्रिय समूह
बैठकें : सोमवार, बुधवार और रविवार

संपर्क करें

क्या आप या आपका कोई अपना शराब की लत से जूझ रहा है?

सहायता लेने में संकोच न करें। एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस और अल-अनोन समूहों से जुड़कर नि:शुल्क तथा पूरी गुमनामियत के साथ सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

930369988
हेल्पलाइन नम्बर

इनका कहना है

'शराब की लत सिर्फ व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करती है'

'शराब की समस्या का सबसे गहरा असर परिवार पर पड़ता है। इसी कारण परिजनों के लिए भी 'अल-अनोन' समूह संचालित होते हैं। यहां उन्हें मानसिक संबल, धैर्य और परिस्थितियों का सकारात्मक ढंग से सामना करने की समझ मिलती है। जब परिवार मजबूत होता है, तब संयमित जीवन की राह भी आसान हो जाती है।'

कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ अल-अनोन सदस्य

'यह चमत्कार नहीं, बदलाव की साझा यात्रा है'

'एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस व्यक्ति को अपने भीतर बदलाव लाने का साहस देता है। इसकी सबसे बड़ी सफलता उन परिवारों के जीवन में दिखाई देती है, जो कभी शराब की वजह से बिखर चुके थे और आज सम्मान के साथ सामान्य जीवन जी रहे हैं। बदलाव संभव है, बस सहायता स्वीकार करने का संकल्प होना चाहिए।'

कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ एए सदस्य

'नशामुक्ति में सामाजिक सहयोग भी अहम'

'अल्कोहल निर्भरता एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। उपचार के साथ परिवार का सहयोग, समान अनुभव वाले लोगों का साथ और नियमित सहभागिता व्यक्ति को लंबे समय तक संयम बनाए रखने में मददगार हो सकती है।'

डॉ. ओ.पी. रायचंदानी
मनोचिकित्सक, मेडिकल कॉलेज

'एए से जुड़ने के बाद संयमित जीवन मिला'

'करीब 30 वर्षों तक शराब की लत से जूझने वाले 58 वर्षीय एक सदस्य बताते हैं कि परिवार टूटने की कगार पर था। एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस से जुड़ने के बाद आज उन्हें संयमित जीवन जीते हुए कई वर्ष हो चुके हैं। वे कहते हैं— 'मुझे यहां नई जिंदगी नहीं, नया नजरिया मिला।'

संयमित सदस्य एए